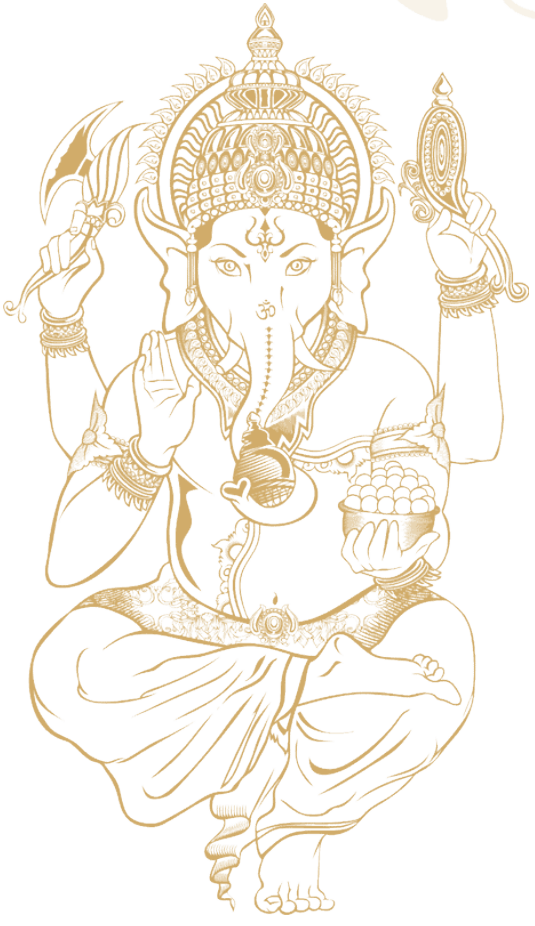

Brijesh Agarwal

Raashi Agarwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119561103

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/08/1996 :	जन्म तिथि	: 12/06/1998
बुधवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 08:53:00 :	जन्म समय	: 18:15:00 घंटे
घटी 07:47:15 :	जन्म समय(घटी)	: 32:10:00 घटी
India :	देश	: India
New Delhi :	स्थान	: Hyderabad
28:36:00 उत्तर :	अक्षांश	: 17:22:00 उत्तर
77:12:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:46:06 :	सूर्योदय	: 05:41:40
19:07:15 :	सूर्यास्त	: 18:50:27
23:48:39 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:00

विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 8मा 7दि राहु 14/04/2017 15/04/2035		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 1वर्ष 7मा 24दि राहु 05/02/2023 05/02/2041	
राहु	27/12/2019	00:47:56	कन्या	लग्न	वृश्चि	20:23:11	राहु	18/10/2025
गुरु	21/05/2022	21:05:32	कर्क	सूर्य	वृष	27:31:18	गुरु	13/03/2028
शनि	27/03/2025	01:48:31	वृष	चंद्र	धनु	25:33:57	शनि	18/01/2031
बुध	15/10/2027	14:27:15	मिथु	मंगल	वृष	19:48:19	बुध	06/08/2033
केतु	01/11/2028	14:34:43	सिंह	बुध	मिथु	00:18:22	केतु	25/08/2034
शुक्र	02/11/2031	15:10:14	धनु व	गुरु	मीन	02:15:20	शुक्र	24/08/2037
सूर्य	26/09/2032	15:53:33	मिथु	शुक्र	मेष	22:00:44	सूर्य	19/07/2038
चन्द्र	27/03/2034	08:17:13	मीन व	शनि	मेष	06:29:02	चन्द्र	18/01/2040
मंगल	15/04/2035	02:02:28	मक व	राहु व	सिंह	10:15:31	मंगल	05/02/2041
		06:31:35	वृश्चि व	केतु व	कुंभ	10:15:31		
				हर्ष व	मक	18:38:35		
				नेप व	मक	07:56:29		
				प्लूटो व	वृश्चि	12:26:57		

लग्न-चलित

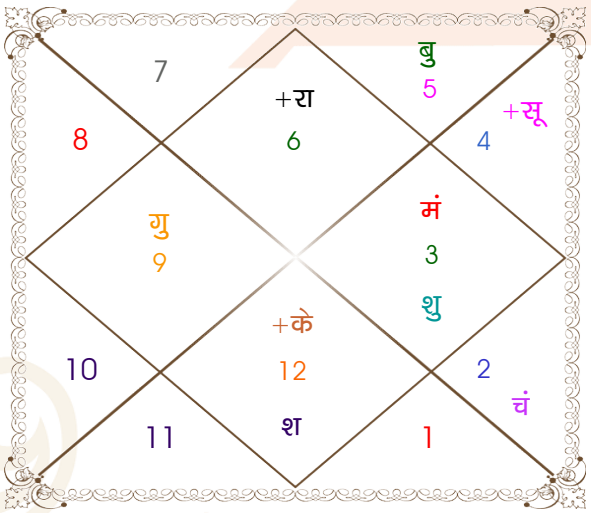

लग्न-चलित

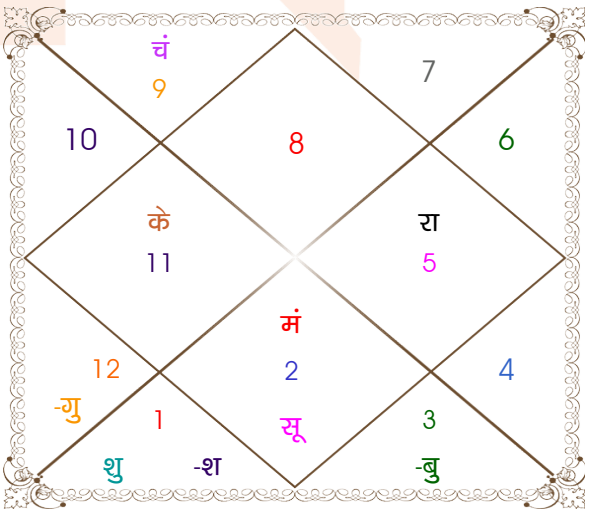

Pandit Chidamber Mishra
9246159232

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ठतपरमी ।हंतूंस का वर्ग गरूड़ है तथा तैप ।हंतूंस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठतपरमी ।हंतूंस और तैप ।हंतूंस का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ठतपरमी ।हंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

तैप ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल तैप ।हंतूंस कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों

में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ठतपरमेी ।हंतूंस कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ठतपरमेी ।हंतूंस तथा तैप ।हंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।